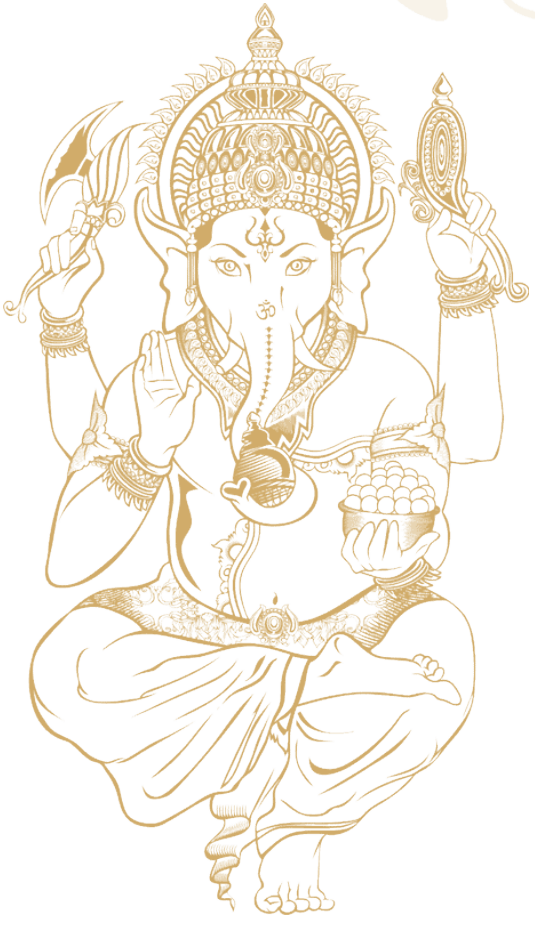

Mr.sahil goel

Ms. Shikha Bansal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120696409

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/02/1999	जन्म तिथि	14/10/1999
शनि-रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	13:47:00 घंटे
घटी 49:10:21	जन्म समय(घटी)	18:33:00 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Gurgaon
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:51	सूर्योदय	06:21:47
18:20:42	सूर्यास्त	17:54:03
23:50:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 2मा 21दि		02:13:41	धनु	लग्न	मक	06:12:45	बुध 11वर्ष 5मा 22दि	
शुक्र		14:58:31	कुंभ	सूर्य	कन्या	26:41:33	शुक्र	
21/05/2024		15:48:21	कर्क	चंद्र	वृश्चि	20:59:48	07/04/2018	
21/05/2044		16:23:27	तुला	मंगल	धनु	04:11:37	07/04/2038	
शुक्र	20/09/2027	02:23:47	मीन	बुध	तुला	18:52:08	शुक्र	06/08/2021
सूर्य	19/09/2028	09:30:04	मीन	गुरु व	मेष	07:20:34	सूर्य	06/08/2022
चन्द्र	21/05/2030	13:32:57	मीन	शुक्र	सिंह	11:22:39	चन्द्र	06/04/2024
मंगल	21/07/2031	06:02:36	मेष	शनि व	मेष	21:38:03	मंगल	06/06/2025
राहु	21/07/2034	28:18:40	कर्क	राहु व	कर्क	16:06:20	राहु	06/06/2028
गुरु	21/03/2037	28:18:40	मक	केतु व	मक	16:06:20	गुरु	05/02/2031
शनि	21/05/2040	20:23:20	मक	हर्ष व	मक	19:02:44	शनि	07/04/2034
बुध	22/03/2043	09:19:49	मक	नेप	मक	07:44:15	बुध	05/02/2037
केतु	21/05/2044	16:35:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:43:59	केतु	07/04/2038

लग्न-चलित

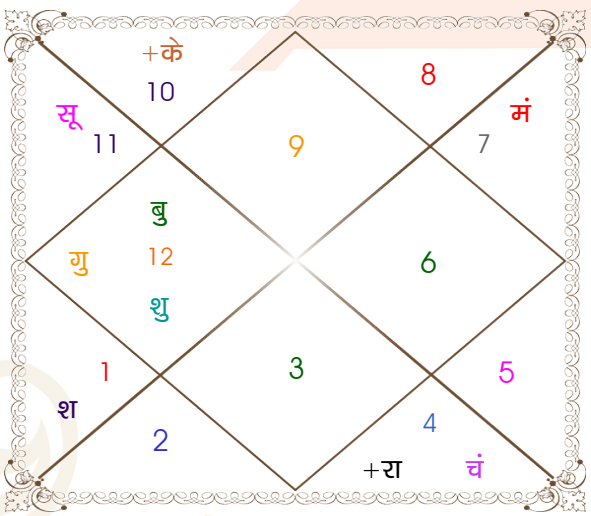

लग्न-चलित

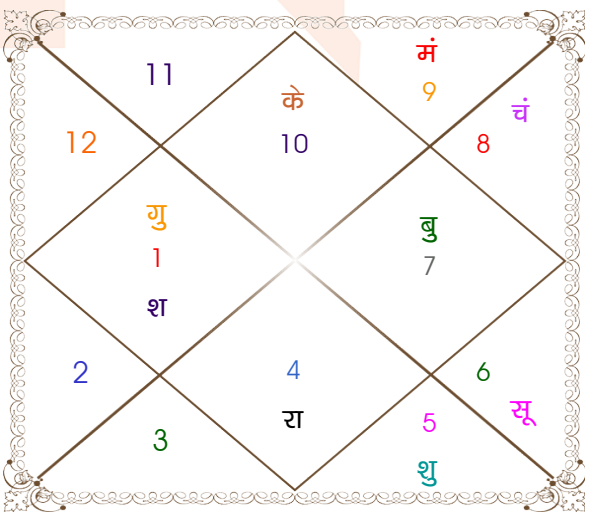

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतणैपस हवमस का वर्ग श्वान है तथा डेण्ैपीं ठंदेंस का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैपस हवमस और डेण्ैपीं ठंदेंस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैपस हवमस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्ैपीं ठंदेंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ैपीं ठंदेंस कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतणैपस हवमस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णेपस हवमस तथा डेर्ण्ैपर्पी ठंदेंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।